UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Polity & Governance · GS - II

“केवल राजनीतिक परिवर्तन से
सामाजिक स्थिरता सुनिश्चित
नहीं की जा सकती ; इसके लिए मजबूत
संस्थाएँ , सामाजिक एकता और
समावेशी विकास भी आवश्यक हैं। ”
चर्चा कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 20/10/2026

PAPER

GS - II

SUBJECT

Polity & Governance

MARKS

10

WORD LIMIT

~ 150 words

Answer Hint

राजनीतिक परिवर्तन , सामाजिक एकता , संस्थागत विश्वास , समावेशी
विकास , नागरिक समाज , सामाजिक विभाजन , सुशासन , जनभागीदारी ,
जवाबदेही।

Model Answer

1. प्रस्तावना
सरकार में परिवर्तन से नई नीतियों और नेतृत्व के लिए अवसर पैदा होते
हैं, लेकिन इससे समाज की गहरी आर्थिक , सामाजिक और संस्थागत समस्याएँ
स्वतः समाप्त नहीं होतीं।

2. मुख्य भाग
केवल राजनीतिक परिवर्तन क्यों पर्याप्त नहीं है?

1. गरीबी , बेरोजगारी और असमानता जैसी समस्याएँ बनी रह सकती हैं।
2. सामाजिक विभाजन और आपसी अविश्वास तनाव को बढ़ा सकते हैं।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

3. कमजोर संस्थाएँ और नीतियों का खराब
क्रियान्वयन जनता का विश्वास कम कर
सकते हैं।

सामाजिक एकता और संस्थाओं की भूमिका

1. समावेशी विकास सामाजिक एवं क्षेत्रीय
असमानताओं को कम करता है।
2. मजबूत संस्थाएँ , कानून का शासन और
जवाबदेह प्रशासन जनता का विश्वास
बढ़ाते हैं।
3. नागरिक समाज और सामुदायिक संगठन संवाद ,
सहयोग तथा जनभागीदारी को प्रोत्साहित
करते हैं।

3. निष्कर्ष

स्थायी सामाजिक स्थिरता के लिए राजनीतिक
परिवर्तन के साथ समावेशी विकास , मजबूत
संस्थाएँ और सामाजिक एकता आवश्यक हैं।
लोकतांत्रिक शासन को समस्याओं के मूल
कारणों का समाधान करना चाहिए।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias